R-16

Code:4003/R/BL

Faculty of Arts, Commerce, Science, Social Science and Business Management

B.A/B.Com/B.Sc/BBA II-Year, IV Semester Regular/Backlog

Examinations –January, 2021

PAPER: SECOND LANGUAGE HINDI

Time: 2 Hours

Max Marks: 80

I. किन्ही पाँच प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए । (5x16=80 Marks)

1. भगवान श्रीकृष्ण के प्रति मीराबाई ने अपनी विरट वेदना कैसे व्यक्त की ?
2. रहीम के दोहों का भाव अपने शब्दों में लिखिए ?
3. हिन्दी गद्य के विकास पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।
४. भारत में बढती हुई जनसंख्या पर निबंध लिखिए ।
5. 'कलम और तलवार' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ?
6. 'अनुभव परिपक्व' कविता में मानव मनोवैज्ञानिक दशा का चित्रण कीजिए ?
7. पर्यावरण की रक्षा कैसे कीजा सकती है ?
8. रहीम के अनुसार अपनों के यहाँ कब तक ठहरना उचित है ?
9. 'श्रृंगारकाल' की परिभाषा देते हुए छायावाद के प्रमुख कवियों के नाम बताइए ?
10. 'तू क्यों बैठ गया पथ पर' कविता का सारांश लिखिए ।

*****

R-16

Code: 4004/R/BL

Faculty of Arts, Commerce, Science, Social Science and Business Management

B.A/B.Com/B.Sc/BBA II-Year, IV Semester Regular/Backlog Examinations – January, 2021

PAPER: SECOND LANGUAGE SANSKRIT

Time: 2 Hours | Max Marks: 80

I. Answer any FIVE of the following questions. (5x16=80)

1. श्लोकौ प्रतिपदार्थ तात्पर्यञ्च लिखत।

   किंत्वनुष्ठाननित्यत्वं स्वातन्त्र्यमपकर्षति।

   संकटा ह्याहिताग्नीनां प्रत्यवायैर्गृहस्थता॥

2. श्लोकौ प्रतिपदार्थ तात्पर्यञ्च लिखत।

   त्पत्तिपरिपूतायाः किमस्याः पावनान्तरैः।

   तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुध्दिमर्हतः॥

3. श्लोकौ प्रतिपदार्थ तात्पर्यञ्च लिखत।

   स्नेहं दयां च सौख्यं च यदि वा जानकीमपि ।

   आराधनाय लोकस्य मुञ्चतो नास्ति मे व्यथा॥

4. श्लोकौ प्रतिपदार्थ तात्पर्यञ्च लिखत।

   स्मरसि सुतनु। तस्मिन्पर्वतेलक्ष्मणेन प्रतिविहितसपर्यासुस्थयोस्तान्यहानि।

   स्मरसि सरसनीरां तत्र गोदावरीं वा स्मरसि च तदुपान्तेष्वावयोर्वर्तनानि॥

5. धृवोपाख्याने उत्तमं स्थानं प्राप्तौं धृवेन कृतप्रयत्नानि विवृणुत।

6. विश्रुतस्य पराक्रमं पाठ्यभागमनुसृत्य लिखत।

7. कठोपनिषद्युक्तप्रकारं यमनचिकेतसोः सम्भाषणं विशदयत।

8. दश - उपनिषत्नामानि लिखित्वा उपनिषत्सु प्रतिपदितं नैतिकजीवनं परिशीलयत।

9. द्वौ संस्कृत शास्त्रकारौ उद्दिश्य लिखत ।

   (i) कणादः (ii) शङ्कराचार्यः (iii) भासः (iv) हर्षवर्धनः

10. (i) अधोदत्त प्रत्ययानां प्रत्यभिजानीत ।

    (i) प्रणम्य (ii) स्मृत्वा (iii) वक्तुम् (iv) वर्धमानः

    (v) तिष्ठन्ती (vi) श्रोतव्या (vii) गम्यमाना (viii) दत्तः

    (ii) द्वौ अलङ्कारौ लक्ष्यलक्षण समन्वयं कुरुत।

    (i) अर्थान्तरन्यासः (ii) कावलिङ्गम् (iii) निदर्शना (iv) विनोक्तिः

*****